वरिष्ठ अध्यापक प्रतियोगी परीक्षा -2024
(माध्य. शिक्षा विभाग)

हिन्दी

SST-25

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 24
Number of Pages in Booklet : 24
पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए। Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

2707273

Paper Code : 02

Paper – II
Sub : Hindi

परीक्षा तिथि - 8/1/2025

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड / Question Booklet No. & Barcode

समय : 02:30 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 02:30 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- **प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान हैं।**
- **प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है।**

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।**
2. **सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।**
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. **ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक में करेक्शन पेन/व्हाईटनर/सफेदा का उपयोग निषिद्ध है।**
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
8. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमश: 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है।**
9. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।**
10.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।**
11. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है तो उसको अयोग्य माना जायेगा।**
12. **मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।**

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All questions carry equal marks.**
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than **one** answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidates will themselves be responsible for filling wrong Roll No.
6. **Use of Correction Pen/Whitener in the OMR Answer Sheet is strictly forbidden.**
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
9. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
10.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
11. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions shall be disqualified.**
12. **Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt with as per rules.**

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would be liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।

1. किस विकल्प के सभी शब्द अशुद्ध हैं ?

(1) व्यवसायिक, मार्मिक, पर्वतीय

(2) क्योकि, गृहणी, आहवान

(3) दिवाली, घोटाला, केंद्रीय

(4) अंधाधुंध, डावाँडोल, आगंतुक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. निम्नलिखित में से अशुद्ध शब्द नहीं है :

(1) पुनरपि (2) पश्चाताप

(3) अधिशाषी (4) भर्तस्ना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. निम्न में से शुद्ध शब्द है :

(1) सौंदर्यता (2) आधीन

(3) लब्धप्रतिष्ठ (4) अक्षोहिणी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य नहीं है :

(1) यह पद कई भावों को प्रकट करता है ।

(2) अब मेरी बात मान लो ।

(3) नौकर के हाथ भेज देना ।

(4) आज तुम फिर इतनी देर में आये ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. निम्नलिखित में से किस विकल्प के सभी शब्द शुद्ध हैं ?

(1) भगीरथी, द्वारका, अन्तर्द्वन्द

(2) आगामी, बरात, स्वादिष्ठ

(3) वाल्मीकि, निरोग, नुपुर

(4) सुई, अनुग्रहित, दृष्टा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. इनमें से कौन सा वाक्य शुद्ध है ?

(1) ये भी वैसे ही पंडित हैं, जैसे आप ।

(2) आपके सब काम हमसे अच्छे होते हैं ।

(3) कोट का दाम पाजामे से अधिक होता है ।

(4) वे अपने आपको समझदार और दूसरे को बेईमान समझते हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. अशुद्ध वाक्य नहीं है

(1) उसने गुरु के चरणों में अपना सिर रख दिया ।

(2) वह मुझ पर क्रुद्ध है ।

(3) आत्मा के अन्दर बल होना चाहिए ।

(4) बजट के ऊपर बहस होगी ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. अल्पविराम चिह्न के प्रयोग के संदर्भ में असंगत कथन है

(1) समानाधिकरण शब्दों के मध्य अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है ।

(2) जब कई शब्द भेद जोड़े से आते हैं, तब प्रत्येक जोड़े के मध्य अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है ।

(3) संबोधन कारक की संज्ञा और संबोधन शब्दों के पश्चात् अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है ।

(4) छंदों में बहुधा यति के पश्चात् अल्पविराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. निम्नलिखित में से शुद्ध वाक्य है :

(1) वृक्षों पर कोयल कूक रही है ।

(2) अपने-अपने घरों से ले आओ ।

(3) वे अनेक कला जानते हैं ।

(4) श्रोताओं में कई श्रेणियों के लोग थे ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. योजक चिह्न का प्रयोग निम्नलिखित में से कहाँ नहीं होता है ?

(1) पदबंध को सामासिक पद बनाने के लिए ।

(2) पुनरुक्त शब्दों के बीच में ।

(3) द्वन्द्व समास के पदों के बीच में ।

(4) किसी पुस्तक या अवतरण के साथ, उसके लेखक के नाम से पहले ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. किसी के वाक्यों को उद्धृत करने के पूर्व निम्नलिखित में से किस विराम चिह्न का प्रयोग किया जाता है ?

(1) निर्देशक चिह्न

(2) योजक चिह्न

(3) अवतरण चिह्न

(4) अर्द्धविराम चिह्न

(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. किस वाक्य में विराम चिह्नों का सही प्रयोग हुआ है ?

(1) आपने बताया नहीं, कि आप कहाँ रहते हैं ?

(2) आपने, बताया नहीं कि आप, कहाँ रहते हैं ।

(3) आपने बताया नहीं कि आप, कहाँ रहते हैं ?

(4) आपने बताया नहीं कि आप कहाँ रहते हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. 'सिर से पानी गुजरना' मुहावरे का निकटतम अर्थ है

(1) सहनशीलता की सीमा पार होना ।

(2) बहुत लज्जित हो जाना ।

(3) मर्यादा भंग होना ।

(4) समय सीमा समाप्त होना ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. 'बाँबी में हाथ तू डाल, मंत्र मैं पढ़ूँ' लोकोक्ति का उचित अर्थ है

(1) जिसे शरण दी, उसकी रक्षा अवश्य करना ।

(2) जोखिम का काम दूसरों को सौंपकर स्वयं आसान काम करना ।

(3) आप स्वयं नष्ट होना और दूसरों को भी थोड़ी हानि पहुँचाना ।

(4) कहना बहुत, करना थोड़ा ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. 'चित भी मेरा पट भी मेरा, अंटा मेरे बाप का' लोकोक्ति का आशय है

(1) खेल के सभी दाँव-पेंच जानना

(2) हर दशा में अपना ही लाभ चाहना

(3) अपनी जीत के प्रति आशंकित होना

(4) दूसरों पर बलपूर्वक रोब ज़माना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. "तुम शास्त्री जी पर आरोप लगाकर ________ की कोशिश कर रहे हो ।"
उक्त वाक्य के रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त मुहावरा है

(1) आकाश के तारे तोड़ने

(2) सूरज को दिया दिखाने

(3) सूरज पर धूल फेंकने

(4) सिर मारने

(5) अनुत्तरित प्रश्न

ध्यातव्य – प्रश्न संख्या 17 से 20 तक के उत्तर निम्नलिखित अनुच्छेद के आधार पर दीजिए :

जिन कर्मों में किसी प्रकार का कष्ट या हानि सहने का साहस अपेक्षित होता है उन सब के प्रति उत्कण्ठापूर्ण आनन्द उत्साह के अन्तर्गत लिया जाता है । कष्ट या हानि के भेद के अनुसार उत्साह के भी भेद हो जाते हैं । साहित्य-मीमांसकों ने इसी दृष्टि से युद्ध-वीर, दान-वीर, दया-वीर इत्यादि भेद किये हैं । इनमें सबसे प्राचीन और प्रधान युद्ध वीरता है, जिसमें आघात, पीड़ा क्या मृत्यु तक की परवा नहीं रहती । इस प्रकार की वीरता का प्रयोजन अत्यन्त प्राचीन काल से पड़ता चला आ रहा है, जिसमें साहस और प्रयत्न दोनों चरम उत्कर्ष पर पहुँचते हैं । पर केवल कष्ट या पीड़ा सहन करने के साहस में ही उत्साह का स्वरूप स्फुरित नहीं होता । उसके साथ आनन्द-पूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कण्ठा का योग चाहिए । बिना बेहोश हुए भारी फोड़ा चिराने को तैयार होना साहस कहा जायेगा, पर उत्साह नहीं । इसी प्रकार चुपचाप, बिना हाथ-पैर हिलाये, घोर प्रहार सहने के लिए तैयार रहना साहस और कठिन-से-कठिन प्रहार सहकर भी जगह से न हटना धीरता कही जायेगी । ऐसे साहस और धीरता को उत्साह के अन्तर्गत तभी ले सकते हैं जबकि साहसी या धीर उस काम को आनन्द के साथ करता चला जायेगा जिसके कारण उसे इतने प्रहार सहने पड़ते हैं । सारांश यह कि आनन्दपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कण्ठा में ही उत्साह का दर्शन होता है, केवल कष्ट सहने के निश्चेष्ट साहस में नहीं । धृति और साहस दोनों का उत्साह के बीच संचरण होता है ।

17. 'धीरता' शब्द है

(1) क्रिया (2) विशेषण

(3) संज्ञा (4) क्रिया-विशेषण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. अनुच्छेद के अनुसार 'धृति' का अर्थ है

(1) धैर्य

(2) अधिकृत करना

(3) स्थापित करना

(4) यज्ञ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. उत्साह का स्वरूप स्फुरित होता है

(1) पीड़ा सहन करने के साहस में ।

(2) घोर प्रहार सहन करने के साहस में ।

(3) कष्ट सहने के निश्चेष्ट साहस में ।

(4) आनन्दपूर्ण प्रयत्न या उसकी उत्कण्ठा में ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. अनुच्छेद के आधार पर बताइये कि साहित्य-मीमांसकों ने किसे उत्साह का भेद नहीं माना है ?

(1) युद्ध-वीर (2) कर्म-वीर

(3) दान-वीर (4) दया-वीर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. शब्द-शक्ति विषयक कौन सा कथन गलत है ?

(1) वाचक शब्द के प्रकार हैं – रूढ़, यौगिक, योगरूढ़ ।

(2) 'पंकज' रूढ़ शब्द है ।

(3) 'संध्या हो गई ।' वाक्य में व्यंजना शब्द-शक्ति है ।

(4) व्यंजना शब्द-शक्ति छिपे हुए अर्थ का बोध कराती है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. जब क्रम की दृष्टि से लोक एवं शास्त्र के कथित नियमों का उल्लंघन किया जाय, तो कौन सा काव्यदोष होता है ?

(1) दुष्क्रमत्व (2) अक्रमत्व

(3) अप्रतीतत्व (4) ग्राम्यत्व

(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. शब्द-शक्तियों के संबंध में कौन सा कथन सुमेलित नहीं है ?

(1) शब्द की शक्ति उसके अंतर्निहित अर्थ को व्यक्त करने वाला व्यापार है ।

(2) शब्द का लोक प्रचलित, नामवाची अर्थ-बोध कराने वाली शक्ति अभिधा है ।

(3) शब्द का साक्षात् संकेतित अर्थ-बोध कराने वाले व्यापार को व्यंजना शक्ति कहते हैं ।

(4) मुख्यार्थ बाधित होने पर रूढ़ि या प्रयोजन से अन्य अर्थ-बोध लक्षणा शक्ति से होता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. काव्यांश और उसमें निहित अलंकार का कौन सा जोड़ा असंगत है ?

(1) सुबरन को ढूँढत फिरै, कवि कामी अरु चोर । – श्लेष

(2) विष पीते हैं मेघ, विरहिणी प्राण निकलते – विरोधाभास

(3) मुनि तापस जिनतें दुख लहहीं ।
ते नरेस बिनु पावक दहहीं ।। – विभावना

(4) जानि स्याम को स्याम-घन, नाचि उठे वन मोर । – भ्रांतिमान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. 'बेसर – मोती – दुति – झलक परी अधर पर आनि ।
पट पोंछति चूनो समुझि नारी निपट अयानि ।।'
प्रस्तुत पद में अलंकार है

(1) संदेह (2) भ्रान्तिमान

(3) असंगति (4) उपमा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. माधुर्य गुण के संबंध में असंगत कथन है

(1) माधुर्य गुण का संबंध शृंगार, करुण तथा शांत रसों से होता है ।

(2) रेफ युक्त वर्णों का प्रयोग बहुलता से किया जाता है ।

(3) दीर्घ सामासिक पदों का प्रयोग नहीं किया जाता है ।

(4) ट, ठ, ड, ढ को छोड़कर अपने पंचम वर्ण से संयुक्त स्पर्श वर्णों का प्रयोग किया जाता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. "प्रबल जो तुम में पुरुषार्थ हो ।
सुलभ कौन तुम्हें न पदार्थ हो ।
प्रगति के पथ में विचरो उठो ।
भुवन में सुख-शांति भरो उठो ।"

उपर्युक्त कवितांश में कौन सा छंद प्रयुक्त हुआ है ?

(1) द्रुतविलंबित छंद (2) चौपाई छंद
(3) सवैया छंद (4) कवित्त छंद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. आचार्य विश्वनाथ द्वारा वर्णित रस के स्वरूप में परिगणित नहीं है

(1) रस अखण्ड है ।
(2) रस ब्रह्मानंद सहोदर है ।
(3) रस वेद्यांतर स्पर्श युक्त है ।
(4) रस चिन्मय है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. निम्नलिखित में से छंद विषयक असंगत कथन है :

(1) हरिगीतिका छंद के प्रत्येक चरण में 26 मात्राएँ होती हैं ।
(2) सोरठा छंद के विषम चरणों में 11 मात्राएँ होती हैं ।
(3) दोहा छंद के सम चरणों के अंत में गुरु – लघु होता है ।
(4) चौपाई मात्रिक सम छन्द है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. "आदिकाल का नाम मैंने 'वीरगाथा-काल' रखा है । उक्त काल के भीतर दो प्रकार की रचनाएँ मिलती हैं – अपभ्रंश की और देशभाषा (बोलचाल) की ।" उक्त कथन है –

(1) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(2) डॉ. रामकुमार वर्मा
(3) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(4) शिवसिंह सेंगर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सुमेलित नहीं है ?

	नामकरण	*विद्वान्*
(1)	चारणकाल	ग्रियर्सन
(2)	प्रारंभिक काल	मिश्रबन्धु
(3)	वीर काल	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(4)	सिद्धसामंत काल	डॉ. रामकुमार वर्मा
(5)	अनुत्तरित प्रश्न	

32. शांत रस के प्रमुख संचारी भाव हैं

(1) दैन्य, शंका, चिंता
(2) धृति, मति, हर्ष
(3) वितर्क, आवेग, जड़ता
(4) त्रास, मोह, व्याधि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल-विभाजन करने वाले प्रथम इतिहासकार माने जाते हैं

(1) डॉ. जार्ज ग्रियर्सन
(2) मिश्रबन्धु
(3) शिवसिंह सेंगर
(4) रामचन्द्र शुक्ल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. "हिन्दी साहित्य का आदिकाल महाराज भोज के समय से लेकर हम्मीरदेव के समय के कुछ पीछे तक माना जा सकता है ।"

आदिकाल के काल-निर्धारण के क्रम में यह मत किसका है ?

(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(3) डॉ. नगेन्द्र
(4) डॉ. रामकुमार वर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. "साहित्यिक प्रवृत्तियों और रीति-आदर्शों का साम्य-वैषम्य ही साहित्य के इतिहास के काल-विभाजन का आधार हो सकता है ।" काल-विभाजन के संबंध में यह कथन किसका है ?

(1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
(2) डॉ. नगेन्द्र
(3) नंददुलारे वाजपेयी
(4) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. "राजाश्रित कवि.....अपने आश्रयदाता राजाओं के पराक्रमपूर्ण चरितों या गाथाओं का वर्णन करते थे । यही प्रबन्ध-परम्परा 'रासो' के नाम से पायी जाती है ।" आदिकाल के सन्दर्भ में यह कथन किस विद्वान का है ?

(1) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(2) रामचन्द्र शुक्ल
(3) राहुल सांकृत्यायन
(4) डॉ. रामकुमार वर्मा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. आदिकाल की प्रवृत्तियों के विषय में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत है ?

(1) आदिकालीन साहित्य में कथ्य की विविधता के साथ छंद प्रयोग की विविधता नहीं दिखाई देती ।
(2) यदि आदिकालीन सिद्धों और नाथपंथियों के काव्यरूपों को हिन्दी क्षेत्र से निकाल दिया जाये, तो फिर भक्तिकालीन निर्गुणपंथियों की काव्यगंगा का उद्गम बताना कठिन होगा ।
(3) आदिकालीन हिन्दी साहित्य में वीर रस की रचनाओं में डिंगल शैली का प्रयोग होता था ।
(4) नखशिख वर्णन, विरह के विभिन्न रूप, संदेश इत्यादि आदिकालीन साहित्य के कथ्य में अंतर्निहित रहे हैं ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. रचना एवं रचनाकार की दृष्टि से असंगत विकल्प है

(1) बीसलदेव रासो – नरपति नाल्ह

(2) परमाल रासो – जगनिक

(3) खुमाण रासो – शालिभद्र सूरि

(4) पृथ्वीराज रासो – चन्दबरदाई

(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. बीसलदेव रासो का काव्य नायक है –

(1) प्रताप सिंह

(2) राणा हम्मीर

(3) पृथ्वीराज चौहान

(4) विग्रहराज चतुर्थ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. दोहा–चौपाई में निबद्ध मसनवी शैली में लिखी गई भक्तिकाल की प्रमुख रचना है –

(1) रामचरितमानस

(2) सूर सारावली

(3) पद्मावत

(4) दोहावली

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. 'आल्हखण्ड' किस रासो का विकसित रूप माना जाता है ?

(1) खुमाण रासो

(2) बीसलदेव रासो

(3) हम्मीर रासो

(4) परमाल रासो

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. 'भक्ति का जो सोता दक्षिण की ओर से धीरे–धीरे उत्तर भारत की ओर पहले से ही आ रहा था, उसे राजनीतिक परिवर्तन के कारण शून्य पड़ते हुए जनता के हृदय क्षेत्र में फैलने के लिए पूरा स्थान मिला ।' भक्तिकाल के विषय में यह कथन किस विद्वान का है ?

(1) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(2) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(3) राहुल सांकृत्यायन

(4) डॉ. गणपतिचन्द्र गुप्त

(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. निम्नलिखित में से सुमेलित विकल्प नहीं है :

(1) जायसी – आख़िरी कलाम

(2) कुतबन – मृगावती

(3) मंझन – मधुमालती

(4) उसमान – ज्ञानदीप

(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. निम्नलिखित सूचियों को सुमेलित करते हुए सही विकल्पों का चयन कीजिए :

	मत (*सूची-I*)		*आचार्य* (*सूची-II*)
(क)	द्वैतवाद	(A)	रामानुजाचार्य
(ख)	विशिष्टाद्वैतवाद	(B)	निम्बार्काचार्य
(ग)	शुद्धाद्वैतवाद	(C)	मध्वाचार्य
(घ)	द्वैताद्वैतवाद	(D)	वल्लभाचार्य

उत्तर विकल्प –

	(क)	(ख)	(ग)	(घ)
(1)	(A)	(B)	(C)	(D)
(2)	(B)	(C)	(D)	(A)
(3)	(C)	(A)	(D)	(B)
(4)	(B)	(A)	(D)	(C)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. हिन्दी साहित्य के रीतिकाल को 'अलंकृत काल' नामकरण करने वाले विद्वान हैं

(1) मिश्रबन्धु
(2) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(3) पं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
(4) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्ति नहीं है

(1) शृंगार की प्रधानता
(2) काव्यांग निरूपण
(3) दार्शनिक विचारधारा से युक्त काव्य
(4) नायिका भेद वर्णन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. 'लोग हैं लागि कवित्त बनावत मोहिं तौ मेरे कबित्त बनावत ।'

उपर्युक्त पंक्ति किस कवि की है ?

(1) बिहारी (2) देव
(3) घनानन्द (4) सेनापति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. पुष्टिमार्गीय भक्ति के संबंध में असंगत कथन है

(1) पुष्टिमार्गीय भक्ति रागानुगा भक्ति है ।
(2) इस भक्ति में किसी प्रकार के साधन या कर्मकांड की अपेक्षा नहीं होती ।
(3) पुष्टिमार्गीय भक्त के प्रारब्ध और संचित कर्मों का शमन ईश्वर कृपा से स्वयं हो जाता है ।
(4) रसरूप पुरुषोत्तम के स्वरूपानंद की शक्ति प्राप्त कर उसकी लीला में प्रविष्ट होना पुष्टिमार्गीय भक्ति का फल नहीं है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. रीतिकालीन रचना तथा रचनाकार की दृष्टि से कौन सा विकल्प सुमेलित नहीं है ?

(1) मतिराम - रसविलास
(2) देव - भावविलास
(3) श्रीपति - काव्यसरोज
(4) घनानन्द - इश्कलता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. भारतेन्दुयुगीन साहित्य के संबंध में असंगत है –

(1) भारतेन्दु-काल में साहित्य के नये-नये मार्ग खुले तथा खड़ी बोली कविता का वपनकाल यही है ।
(2) हिन्दी साहित्य के इतिहास में 1850 से 1900 ई. तक का समय भारतेन्दु-काल के नाम से अभिहित किया जाता है ।
(3) उन्नीसवीं शताब्दी पूर्वार्द्ध की अपेक्षा भारतेन्दु-काल के हिन्दी गद्य का विकास नवोदित राष्ट्रीयता और नवोत्थान की भावना के अन्तर्गत हुआ था ।
(4) भारतेन्दु-काल में जिस उपन्यास-साहित्य का जन्म हुआ, वह पूर्णतः प्राचीन कथाओं के समीप था ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. आचार्य शुक्ल ने रीतिकाल का आरंभ किस कवि से माना है ?

(1) आचार्य केशव (2) चिंतामणि त्रिपाठी
(3) पद्माकर (4) बिहारीलाल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. रचनाकार एवं रचनाओं की दृष्टि से कौन सा विकल्प सुमेलित नहीं है ?

(1) जयशंकर प्रसाद – अर्चना, आराधना, गीत गुंज

(2) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' – अणिमा, बेला, नये पत्ते

(3) सुमित्रानन्दन पंत – अतिमा, वाणी, लोकायतन

(4) महादेवी वर्मा – सांध्यगीत, दीपशिखा, नीरजा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. प्रगतिवाद के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असंगत है ?

(1) प्रगतिवाद ने साहित्य को व्यक्तिवादी यथार्थ के बंद कमरे से निकाल कर जन-जीवन के बीच प्रवाहित किया ।

(2) प्रगतिवादी काव्यधारा मार्क्सवादी दर्शन को अपना लक्ष्य बनाकर चली ।

(3) प्रगतिवादी साहित्य में पूँजीवादी शक्तियों की शोषक, स्वार्थी, स्वकेन्द्रित विसंगतिमय प्रवृत्तियों पर चोट की गई है ।

(4) प्रगतिवादी काव्यधारा व्यक्तिवादी वायवी काव्यधारा का मुखर होकर प्रतिनिधित्व करती है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. "इस द्वितीय उत्थान के आरंभकाल में हम पं. महावीर प्रसाद जी द्विवेदी को पद्यरचना की एक प्रणाली के प्रवर्तक के रूप में पाते हैं ।" उक्त कथन है

(1) डॉ. रामविलास शर्मा

(2) श्रीधर पाठक

(3) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(4) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. 'मंटो मेरा दुश्मन' संस्मरण किस साहित्यकार की रचना है ?

(1) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

(2) शिवपूजन सहाय

(3) उपेन्द्रनाथ 'अश्क'

(4) माखनलाल चतुर्वेदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. निम्नलिखित में से कौन सा विकल्प सुमेलित नहीं है ?

	नाटककार	*नाटक*
(1)	मुद्राराक्षस	– तिलचट्टा
(2)	जगदीशचंद्र माथुर	– करफ़्यू
(3)	मृदुला गर्ग	– एक और अजनबी
(4)	सुरेन्द्र वर्मा	– आठवाँ सर्ग
(5)	अनुत्तरित प्रश्न	

57. रचनाकार एवं रचना की दृष्टि से कौन सा विकल्प सुमेलित है ?

(1) गजानन माधव 'मुक्तिबोध' – नाश और निर्माण

(2) भवानी प्रसाद मिश्र – ब्रह्मराक्षस

(3) गिरिजा कुमार माथुर – धूप के धान

(4) शमशेर बहादुर सिंह – कनुप्रिया

(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. निम्नलिखित में से मनोवैज्ञानिक उपन्यास नहीं है :

(1) शेखर : एक जीवनी

(2) वह जो मैंने देखा

(3) गोदान

(4) नदी के द्वीप

(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. सचेतन कहानी से जुड़े कहानीकारों में सम्मिलित नहीं हैं

(1) डॉ. महीप सिंह

(2) कमल जोशी

(3) मधुकर सिंह

(4) दामोदर सदन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. हिन्दी भाषा के उद्‌भव से असंबद्ध अपभ्रंश किस विकल्प में है ?

(1) शौरसेनी (2) महाराष्ट्री

(3) अर्द्धमागधी (4) मागधी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. निम्नलिखित में से प्रख्यात 'ललित निबन्धकार' नहीं हैं :

(1) विद्यानिवास मिश्र

(2) धर्मवीर भारती

(3) कुबेरनाथ राय

(4) रामचन्द्र शुक्ल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. पश्चिमी राजस्थानी को एक अन्य नाम से भी जाना जाता है, वह है –

(1) मारवाड़ी (2) मेवाती

(3) ढूंढाणी (4) मालवी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. देवनागरी लिपि का विकास किस प्राचीन लिपि से हुआ है ?

(1) खरोष्ठी लिपि

(2) ब्राह्मी लिपि

(3) शारदा लिपि

(4) महाजनी लिपि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. पूर्वी हिन्दी का विकास किस अपभ्रंश से हुआ है ?

(1) शौरसेनी (2) पैशाची

(3) अर्धमागधी (4) ब्राचड़

(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. निम्नलिखित में से किसे देवनागरी लिपि का दोष माना जाता है ?

(1) एक वर्ण से एक ध्वनि संकेतित होती है।

(2) देवनागरी की वर्णमाला का वर्णक्रम वैज्ञानिक है।

(3) इस लिपि के लेखन और मुद्रण के अक्षर एकरूप हैं।

(4) संयुक्त अक्षरों को लिखने की कई पद्धतियाँ हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. 'हँसै न बोलै उनमनी, चंचल मेल्ह्या मारि ।' कबीर की इस पंक्ति में प्रयुक्त 'उनमनी' शब्द प्रयोग निम्नलिखित में से किस दशा के लिए हुआ है ?

(1) तंत्र-मंत्र की विद्या के लिए

(2) योग की एक विशिष्ट दशा के लिए

(3) संगीत में एक प्रकार के राग के लिए

(4) साहित्य में शृंगारिक वर्णन के लिए

(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. 'दुन्यूं बूड़े धार मैं, चढ़ि पाथर की नाव' कबीर की प्रस्तुत साखी के अंश में 'दुन्यूं' शब्द से आशय है

(1) गुरु-शिष्य (2) आत्मा-परमात्मा

(3) शत्रु-मित्र (4) पति-पत्नी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. 'जलचर थलचर नभचर नाना ।
जे जड़ चेतन जीव जहाना ।।'
बालकाण्ड की इस चौपाई में प्रयुक्त 'जहाना' शब्द का अर्थ है

(1) जानना (2) मनुष्य

(3) जगत् (4) ईश्वर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. 'लेखणि करूँ करंक की, लिखि-लिखि राम पठाउँ ।' कबीर की साखी के इस अंश में प्रयुक्त 'करंक' शब्द से क्या अभिप्राय है ?

(1) स्याही (2) हड्डी

(3) कलंक (4) नाखून

(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. 'नाथ कृपाँ अब गयउ विषादा ।
सुखी भयउँ प्रभुचरन प्रसादा ।।'
उपर्युक्त पंक्ति में किसका विषाद नष्ट होने की बात कही गई है ?

(1) महाराज जनक का

(2) माता पार्वती का

(3) राजकुमारी सीता का

(4) माता कौसल्या का

(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. 'सुजन समाज सकल गुन खानी ।
करउँ प्रनाम सप्रेम सुबानी ।।'
बालकाण्ड की इन पंक्तियों में तुलसीदास किन्हें प्रणाम कर रहे हैं ?

(1) देवताओं को (2) राजाओं को

(3) संत समाज को (4) तीर्थराज को

(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. "बोले कृपासिंधु बृषकेतू । कहहू अमर आए केहि हेतू ।।"
उपर्युक्त पंक्ति में 'बृषकेतू' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(1) भगवान शिव

(2) गुरु विश्वामित्र

(3) भगवान राम

(4) कामदेव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. 'तबहिं उपँगसुत आय गए ।' 'भ्रमरगीत सार' के पद की इस पंक्ति में 'उपँगसुत' किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

(1) श्रीकृष्ण के लिए
(2) उद्धव के लिए
(3) श्रीदामा के लिए
(4) भौंरे के लिए
(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. पुष्टिमार्गी भक्ति में 'पुष्टि' से क्या आशय है ?

(1) विराग (2) अनुराग
(3) भगवद् अनुग्रह (4) साक्षात्कार
(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. 'हरि मोरे जीवन प्रान अधार
और आसिरो नाहीं तुम बिन, तीनूँ लोक मँझार ।'
उपर्युक्त पद में मीरा का अपने आराध्य के प्रति व्यक्त भाव है

(1) उत्साह (2) हर्ष
(3) विनय (4) उपालम्भ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. "तू काकी है करत प्रसंसा, कौने घोष पठायो ?"
सूरदास की उपर्युक्त पंक्ति में 'घोष' शब्द का क्या अर्थ है ?

(1) ध्वनि विशेष
(2) अहीरों की बस्ती
(3) उद्धव
(4) अक्रूर
(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. 'आली रे मेरे नैणाँ बाण पड़ी ।' मीरा की इस पंक्ति में प्रयुक्त 'बाण' शब्द का अर्थ है

(1) आदत (2) छवि
(3) हिलोर (4) आँसू
(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. "पिय-बिछुरन कौ दुसहु दुखु, हरषु जात प्यौसार ।"
बिहारी की उपर्युक्त पंक्ति में 'प्यौसार' से आशय है

(1) पिय मिलन (2) पिता का घर
(3) शृंगार (4) लौटकर आना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. 'जुवति जोन्ह मैं मिलि गई' बिहारी रत्नाकर के दोहे के इस अंश में प्रयुक्त 'जोन्ह' शब्द का सही अर्थ है

(1) चमत्कार (2) छवि
(3) रत्न (4) चाँदनी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. "तज्यौ मनौ तारन-बिरदु बारक बारनु तारि ।।"
बिहारी के इस दोहे में आये 'बारनु' शब्द का अर्थ है

(1) हाथी (2) एक बार
(3) वार या दिवस (4) अश्व
(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. परशुराम चतुर्वेदी के अनुसार 'मीराँ' के काव्य में प्रयुक्त भाषा के चार स्तरों में सम्मिलित नहीं है

(1) राजस्थानी (2) गुजराती
(3) पंजाबी (4) कौरवी
(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. "वयणसगाई वालियां पेखीजै रस-पोस ।
वीर-हुतासण-वोल-में दीसै हेक न दोस ।।"

उपर्युक्त दोहे में यहाँ 'वयणसगाई' से क्या तात्पर्य है ?

(1) अनुप्रास के समान एक अलंकार
(2) सोलह संस्कारों में से एक संस्कार
(3) एक प्रकार का रीति-रिवाज
(4) सुन्दर एवं युवा स्त्रियाँ
(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. पग पाछा, छाती धड़क, काळो-पीळो दीह
नैण मिचै साम्हो सुणे, कवण हकाळै सींह ?

वीर सतसई के इस छंद में वर्णन का विषय है

(1) काले-पीले बादलों का
(2) रंग महल के गाने-बजाने वालों का
(3) दीर्घाकार साहसी सिंह का
(4) सेवक और योद्धाओं का
(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. 'हाथी हाथळ आहणै,
नाहर जिण-रो नाम ।'

उपर्युक्त पंक्ति में रचनाकार ने किसे सिंह कहा है ?

(1) जो हाथी की सवारी करे ।
(2) जो अपने हाथों से हाथी को लाए ।
(3) जिसके हाथ हाथी जैसे हो ।
(4) जो हाथी को हथेली की थाप से ही मार डाले ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. 'ओ युधिष्ठिर, सिन्धु के हम पार हैं; तुम चिढ़ाने के लिए जो कुछ कहो, किन्तु, कोई बात हम सुनते नहीं ।' 'कुरुक्षेत्र' काव्य में ये पंक्तियाँ किसके द्वारा कही गई हैं ?

(1) सुयोधन के द्वारा
(2) कर्ण के द्वारा
(3) अश्वत्थामा के द्वारा
(4) शकुनी के द्वारा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. रामधारी सिंह 'दिनकर' की कृति 'कुरुक्षेत्र' में 'पविकाय पाण्डव' किसे कहा गया है ?

(1) अर्जुन को
(2) युधिष्ठिर को
(3) भीम को
(4) कर्ण को
(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. "तत्त्व वह करगत हुआ या उड़ गया ?" कथन निम्न में से किसका है ?

(1) युधिष्ठिर का
(2) दुर्योधन का
(3) भीष्म पितामह का
(4) भीम का
(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. "डरो मत अरे अमृत संतान
अग्रसर है मंगलमय वृद्धि;
पूर्ण आकर्षण जीवन केन्द्र
खिंची आवेगी सकल समृद्धि।"
'कामायनी' में उपर्युक्त कथन किसका है ?
(1) इड़ा (2) मनु
(3) श्रद्धा (4) लज्जा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. 'यही दु:ख-सुख विकास का सत्य यही भूमा का मधुमय दान।' 'कामायनी' की इन पंक्तियों में 'भूमा' किसे कहा गया है ?
(1) इड़ा (2) विराट शक्ति
(3) श्रद्धा (4) लज्जा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. शुक्ल जी के 'उत्साह' निबन्ध के अनुसार 'उत्साह' में किन दो भावों का योग होता है ?
(1) साहस और आनन्द
(2) कर्म और फल
(3) व्यक्ति और वस्तु
(4) तत्परता और प्रसन्नता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. 'क्या कहूँ, क्या हूँ मैं उद्भ्रांत ? विवर में नील गगन के आज।' 'कामायनी' की इन पंक्तियों में 'उद्भ्रांत' कौन है ?
(1) श्रद्धा (2) पक्षी
(3) मनु (4) इड़ा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. आचार्य शुक्ल के निबंध 'श्रद्धा और भक्ति' में वर्णित है कि "श्रद्धा का व्यापार स्थल विस्तृत है, प्रेम का ________।"
रिक्त स्थान हेतु उपयुक्त शब्द है
(1) धर्म (2) कर्म
(3) भक्ति (4) एकान्त
(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. मोहन राकेश के अनुसार 'लहरों के राजहंस' नाटक अपने पहले रूप में किस विधा में लिखा गया था ?
(1) कहानी (2) रेडियो नाटक
(3) गीति नाट्य (4) उपन्यास
(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. "मुझसे पूछना चाहते हो ? परन्तु जो व्यक्ति तुम्हारे किसी भी प्रश्न का उत्तर दे सकता है, वह मैं नहीं हूँ। उत्तर किसी भी प्रश्न का तुम्हें केवल एक ही व्यक्ति से मिल सकता है"
'लहरों के राजहंस' नाटक में यह कथन किसका है ?
(1) भिक्षु आनन्द (2) श्यामांग
(3) नन्द (4) श्वेतांग
(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. 'लोभ और प्रीति' निबंध के अनुसार, स्वायत्त रखने की इच्छा प्राय: किससे संबद्ध रहती है ?
(1) अधिकार में रखने की इच्छा से
(2) अनन्य उपयोग या उपभोग की वासना से
(3) केवल बने रहने देने की इच्छा से
(4) प्राप्ति या सान्निध्य की इच्छा से
(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. "युद्ध ही योद्धा की महान् लिप्सा होती है, रिपु का यह मर्दन और उसके रक्त से नित्य नूतन तर्पण ही उसके राज्य और हृदय के लिए श्रेष्ठ वरदान सिद्ध होता है ।"

'खून का टीका' उपन्यास में इस कथन के 'वक्ता' और 'श्रोता' कौन हैं ?

	वक्ता		*श्रोता*
(1)	अनंगसिंह	–	हम्मीर
(2)	वरवड़ी	–	हम्मीर
(3)	लाखा	–	अरसी
(4)	चारण अमरदान	–	हम्मीर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. 'एक धावा हो जाए तो गर्मी आ जाए', 'उसने कहा था' कहानी में यह कथन किसका है ?

(1) वजीरासिंह (2) लहनासिंह

(3) कीरतसिंह (4) बोधासिंह

(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. 'लहरों के राजहंस' नाटक का आधार-ग्रंथ है

(1) बाणभट्ट का हर्षचरित

(2) अश्वघोष का सौन्दरनन्द

(3) भास का प्रतिमानाटक

(4) अश्वघोष का बुद्धचरितम्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. "अब मजूरी करके मालगुजारी भरनी पड़ेगी ।" 'पूस की रात' कहानी में उपर्युक्त कथन किसका है ?

(1) महाजन (2) हल्कू

(3) मुन्नी (4) सहना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. निम्नलिखित में से कौन सा श्रवण का एक प्रकार नहीं है ?

(1) अवधानात्मक श्रवण

(2) रसात्मक श्रवण

(3) विश्लेषणात्मक श्रवण

(4) आत्म-केंद्रिता श्रवण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. 'कोस-कोस पर पानी बदले, दस कोस पर वाणी' कहावत अशुद्ध उच्चारण के किस प्रमुख कारण से संबंधित है ?

(1) स्थानीय बोलियों का प्रभाव

(2) शिक्षा पद्धति में दोष

(3) शारीरिक विकार

(4) उच्चारण के सामान्य सिद्धान्तों की जानकारी का अभाव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. "अब उस राज्य के सौभाग्य की क्या सीमा ! आठ प्रहर बत्तीस घड़ी फ़कत प्रकाश ही प्रकाश जगमगाएगा" – 'उजाले के मुसाहिब' कहानी में यह कथन किसका है ?

(1) राजा का (2) दीवान का

(3) चकवा का (4) चकवी का

(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. सस्वर वाचन के दो रूप हैं

(1) सामूहिक वाचन एवं मौन वाचन

(2) व्यक्तिगत वाचन एवं सामूहिक वाचन

(3) द्रुत वाचन एवं गम्भीर वाचन

(4) अध्ययन एवं विहंगावलोकन वाचन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. मौन वाचनाभ्यास का उद्देश्य है

(1) नि:संकोच एवं आत्म-विश्वास के साथ बोलना ।

(2) उचित गति का अनुसरण जिससे वाणी सुश्रव्य एवं बोधगम्य बनी रहे ।

(3) छात्रों में कम समय में अधिक पढ़ने तथा हृदयगंम करने की क्षमता का विकास होता है ।

(4) शुद्ध एवं स्पष्ट उच्चारण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. वर्तनी की अशुद्धि का व्यावहारिक कारण है

(1) उच्चारण का वैषम्य

(2) लिपि का ज्ञान न होना

(3) अभ्यास का अभाव

(4) संयुक्ताक्षरों का प्रयोग

(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. मौखिक अभिव्यक्ति के निम्नलिखित रूपों को उनके उदाहरणों के साथ सुमेलित कीजिए :

मौखिक अभिव्यक्ति के रूप	*उदाहरण*
(अ) औपचारिक	(i) समाचार
(ब) विवरण	(ii) घटना
(स) चित्रण	(iii) आत्मकथा
(द) इतिवृत्त	(iv) प्रार्थनापत्र

सही कूट का चयन कीजिए :

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(1)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(2)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. यदि एक हिन्दी शिक्षक द्वारा विद्यार्थियों को गृहकार्य में किसी यात्रा का वृत्तान्त लिखने के लिए दिया जाए, तो विद्यार्थी किस प्रकार की लिखित रचना करेंगे ?

(1) निर्देशित रचना

(2) प्रतिबंधित रचना

(3) निर्दिष्ट रचना

(4) मुक्त अथवा स्वतंत्र रचना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. निम्नलिखित में से कौन सी गद्य शिक्षण की विधि नहीं है ?

(1) अर्थबोध विधि

(2) व्याख्या विधि

(3) विश्लेषण विधि

(4) खण्डान्वय विधि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. चित्रात्मकता, नाद तथा भाव का आनन्द किसके रूप हैं ?

(1) गद्य शिक्षण (2) पद्य शिक्षण

(3) रचना शिक्षण (4) व्याकरण शिक्षण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. व्याकरण शिक्षण हेतु प्रयोग में लाई जाने वाली वह कौन सी विधि है, जिसमें निम्नलिखित क्रम का अनुसरण किया जाता है ?

उदाहरण → विश्लेषण → सामान्यीकरण → परीक्षण

(1) समवाय विधि

(2) निगमन विधि

(3) भाषा संसर्ग विधि

(4) आगमन विधि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. हर्बर्ट की पंचपदीय पद्धति में तीसरा पद है

(1) प्रस्तावना (2) नियमीकरण

(3) प्रस्तुतीकरण (4) तुलना

(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. कहानी शिक्षण का मुख्य गुण है

(1) सौन्दर्यानुभूति

(2) अर्थबोध

(3) मनोरंजनात्मक

(4) भाषा का शुद्ध ज्ञान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. अभिनय की अपेक्षा नाटक के शास्त्रीय पक्ष के आधार पर विवेचना की जाती है

(1) व्याख्या प्रणाली में

(2) आदर्श नाट्य प्रणाली में

(3) कक्षाभिनय प्रणाली में

(4) रंगमंच प्रणाली में

(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. लिखित रचनाओं के अंतर्गत 'मित्र के नाम पत्र' किस श्रेणी के अंतर्गत सम्मिलित किया जाएगा ?

(1) व्यक्तिगत

(2) कार्यालयी

(3) व्यावसायिक

(4) औपचारिक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. अभिकथन (A) – उपचारात्मक शिक्षण एक निरंतर विकासशील प्रक्रिया है ।

कारण (R) – शैक्षिक निदान के पश्चात् उपचार और उस उपचार की प्रभाविकता की जाँच के लिए पुन: परीक्षण किया जाता है ।

(1) (A) एवं (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है ।
(2) (A) एवं (R) दोनों सही हैं, परन्तु (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है ।
(3) (A) सही है, परन्तु (R) गलत है ।
(4) (R) सही है, परन्तु (A) गलत है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. निम्नलिखित में से कौन सा हिन्दी शिक्षण में चित्रों का उपयोग नहीं है ?

(1) नवीन पाठ की प्रस्तावना निकालने हेतु
(2) पाठ को विकसित करने हेतु
(3) मुख्य बिंदुओं को स्पष्ट करने हेतु
(4) योजना की रूपरेखा लिखने हेतु
(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. निम्नलिखित में से कौन सा कथन निदानात्मक परीक्षणों के संबंध में सही नहीं है ?

(1) ये विद्यार्थियों की कठिनाइयों एवं समस्याओं से परिचित कराते हैं ।
(2) ये विद्यार्थियों को अध्ययनशील एवं क्रियाशील होने की प्रेरणा देते हैं ।
(3) ये विद्यार्थियों की मानसिक प्रक्रिया के स्वरूप को वर्णित करते हैं ।
(4) इन परीक्षणों की एक निश्चित सीमा होती है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. सतत् एवं समग्र मूल्यांकन के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन सी रचनात्मक मूल्यांकन की विशेषता नहीं है ?

(1) कार्यक्रम उत्पादन की सातत्यता
(2) पृष्ठपोषण द्वारा पुनरीक्षण, संवर्धन तथा सुधार
(3) शैक्षणिक उत्पाद की सफलता की सीमा का मूल्यांकन
(4) शैक्षिक कार्यक्रम के विकास की प्रक्रिया से संबंध
(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. मूल्यांकन हेतु वस्तुनिष्ठ प्रश्न का गुण है

(1) अभिव्यक्ति योग्यता का मूल्यांकन
(2) प्रश्न निर्माण में सरलता
(3) प्रामाणिकता एवं वैधता
(4) विचार संगठन संभव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. विद्यार्थी को स्वयं अपने नेत्रों से देखकर ज्ञान एवं अनुभव प्राप्त करने में सहायक अनुदेशनात्मक दृश्य सामग्री या साधन है

(1) वास्तविक पदार्थ, रेडियो एवं नाटक
(2) नाटक, चलचित्र एवं चित्र
(3) ग्रामोफोन, मानचित्र एवं चित्र
(4) प्रतिरूप, रेखाचित्र एवं चित्र
(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. निम्नलिखित में गलत विवरण है :

(1) उच्चारण के अनुसार स्वरों के दो भेद हैं – सानुनासिक और निरनुनासिक ।

(2) कुछ स्वर अल्पप्राण और कुछ महाप्राण हैं ।

(3) वर्गीय पंचम व्यंजन (ङ्, ञ्, ण्, न्, म्) अनुनासिक अल्पप्राण हैं ।

(4) सभी वर्गों के द्वितीय – चतुर्थ वर्ण महाप्राण हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. य् वर्ण के सम्बन्ध में असंगत है

(1) तालव्य (2) अघोष

(3) अल्पप्राण (4) अन्तस्थ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. 'ड़्' वर्ण सम्बन्धी सही कथन है

(1) उत्क्षिप्त, मूर्धन्य, अघोष, अल्पप्राण

(2) मूर्धन्य, स्पर्श, अघोष, महाप्राण

(3) उत्क्षिप्त, मूर्धन्य, सघोष, महाप्राण

(4) उत्क्षिप्त, मूर्धन्य, अघोष, महाप्राण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. उच्चारण-स्थल की दृष्टि से इ, उ, ऋ वर्ण का सही क्रम है

(1) तालव्य, ओष्ठ्य, मूर्द्धन्य

(2) ओष्ठ्य, तालव्य, मूर्द्धन्य

(3) मूर्द्धन्य, ओष्ठ्य, तालव्य

(4) तालव्य, मूर्द्धन्य, ओष्ठ्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. तत्सम > तद्भव का कौन सा युग्म गलत है ?

(1) शूकर > सूअर

(2) शृंग > सींग

(3) हस्त > हाथी

(4) वंश > बाँस

(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. निम्नलिखित में से किस विकल्प के सभी शब्द तद्भव हैं ?

(1) चंचु, तिक्त, नकुल

(2) नक्षत्र, पंथी, पक्ष

(3) कपास, कपूर, गोखरू

(4) गोपाल, घट, हरदी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. किस विकल्प में सभी शब्द विदेशी मूल के हैं ?

(1) नमक, मतलब, हाट

(2) आसमान, दरवाजा, दुनिया

(3) जिला, अचार, सेठ

(4) कालीन, प्याला, हीरा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. निम्नलिखित में से तत्सम शब्द नहीं है :

(1) आराम (2) कुमार

(3) मेघ (4) कंचन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. प्रेरणार्थक क्रियाओं के विषय में असंगत कथन है

(1) ये आत्मप्रेरणा से की जाती हैं ।

(2) इनके दो भेद होते हैं ।

(3) ये क्रियाएँ सकर्मक होती हैं ।

(4) मूल धातु में 'आ' और 'वा' लगाकर ये क्रियाएँ बनाई जाती हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. किस वाक्य में संबंधसूचक अव्यय का प्रयोग नहीं हुआ है ?

(1) यह काम स्कूल जाने से पहले करना चाहिए ।

(2) परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए कठोर परिश्रम करना पड़ता है ।

(3) नौकर यहाँ रहता है ।

(4) उसे फिल्म देखने की अपेक्षा घूमना पसंद है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. संज्ञा शब्दों के संबंध में असंगत कथन है

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा अनेक बार जातिवाचक संज्ञा के रूप में परिवर्तित होती है ।

(2) कई बार जातिवाचक संज्ञा का प्रयोग व्यक्तिवाचक संज्ञा के रूप में होता है ।

(3) संज्ञा शब्दों में केवल दो ही कारणों – लिंग और वचन – से विकार होता है, अन्य किसी कारण से नहीं होता ।

(4) भाववाचक संज्ञाएँ क्रिया, विशेषण आदि शब्दों से बनाई जाती हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. निम्नलिखित में से किस विकल्प के सभी शब्द स्त्रीलिंग हैं ?

(1) सरकार, दौड़, अरहर

(2) सभा, हाथ, कचनार

(3) पीतल, संघ, भीड़

(4) चावल, मोती, आँख

(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. निम्नलिखित में से किस विकल्प के सभी शब्द बहुधा बहुवचन में ही प्रयुक्त होते हैं ?

(1) समाचार, पक्षी, टोपी

(2) भाग्य, मुनि, लकड़ी

(3) प्राण, दाम, दर्शन

(4) लोग, होश, घोड़ा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. किस वाक्य में संप्रदान कारक है ?

(1) ईश्वर ने सुनने को दो कान दिए हैं ।

(2) हमने शेर को देखा है ।

(3) मालिक ने नौकर को निकाल दिया ।

(4) लड़का किसी को देखता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. किस वाक्य में रीतिवाचक क्रिया-विशेषण का प्रयोग हुआ है ?

(1) मजदूर दिनभर काम करते हैं ।

(2) वह इतना चला कि थक गया ।

(3) दर्शनार्थी एक-एक करके मंदिर में प्रवेश कर रहे थे ।

(4) लोग गुरु जी का प्रवचन ध्यानपूर्वक सुन रहे थे ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. वाच्य के विषय में कौन सा कथन सही नहीं है ?

(1) कर्तृवाच्य अकर्मक-सकर्मक दोनों क्रियाओं में होता है ।

(2) कर्मवाच्य सकर्मक क्रियाओं में होता है ।

(3) भाववाच्य सकर्मक-अकर्मक दोनों क्रियाओं में होता है ।

(4) भाववाच्य क्रिया बहुधा अशक्तता के अर्थ में आती है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. किस शब्द का संधि-विच्छेद सही नहीं है ?

(1) सच्छास्त्र = सत् + शास्त्र

(2) सुषुप्ति = सु + सुप्ति

(3) संवाद = सम् + वाद

(4) समुद्रोर्मि = समुद्र + उर्मि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. निम्नलिखित में से द्विगु समास का उदाहरण नहीं है :

(1) सतसई (2) इकतीस

(3) पंसेरी (4) अष्टाध्यायी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. "वह आए तो मैं जाऊँ ।" वाक्य में प्रयुक्त काल है

(1) संभाव्य भविष्य काल

(2) हेतुहेतुमद् भविष्य काल

(3) संभाव्य वर्तमान काल

(4) संदिग्ध वर्तमान काल

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. निम्नलिखित में से 'ईय' प्रत्यय के योग से निर्मित शब्द है :

(1) स्मरणीय (2) रमणीय

(3) आदरणीय (4) पाणिनीय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. किस विकल्प में सभी शब्द 'रात्रि' के पर्यायवाची हैं ?

(1) शर्वरी, निशा, रजनीचर

(2) रात, यामिनी, निशिचर

(3) रैन, निशाचर, त्रियामा

(4) रजनी, निशीथ, विभावरी

(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. किस विकल्प में परस्पर विलोम शब्द हैं ?

(1) गरल – हलाहल (2) कुकृति – दुष्कृति

(3) चंचल – अस्थिर (4) क्षुद्र – विराट्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. निम्नलिखित में से 'विग्रह' का अर्थ नहीं है :

(1) आकृति (2) कलह

(3) विकार (4) युद्ध

(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. किस शब्द में सर्वाधिक उपसर्ग हैं ?

(1) अत्याधुनिक (2) दुस्साहसी

(3) दुर्व्यवहार (4) अलौकिकता

(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. 'अपने कुल का सबसे श्रेष्ठ या प्रतिष्ठित व्यक्ति' के लिए सार्थक शब्द है

(1) कुलांगार (2) कुलंजन

(3) कुलकानि (4) कुलकेतु

(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. निम्नलिखित में से वाक्य-रचना में पदक्रम की दृष्टि से असंगत कथन है :

(1) समानाधिकरण शब्द मुख्य शब्द के पीछे आता है और पिछले शब्द में विभक्ति का प्रयोग होता है ।

(2) प्रश्नवाचक क्रिया-विशेषण और सर्वनाम अवधारण के लिये मुख्य क्रिया और सहायक क्रिया के बीच में भी आ सकते हैं ।

(3) द्विकर्मक क्रियाओं में मुख्य कर्म पहले और गौण कर्म पीछे आता है ।

(4) प्रश्नवाचक अव्यय 'न' वाक्य के अंत में आता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. निम्नलिखित में से किस विकल्प में समश्रुत भिन्नार्थक शब्दों का अर्थ संगत नहीं है ?

(1) अनुदित – अनूदित = भाषांतरित – अकथनीय

(2) पृष्ट – पृष्ठ = पूछा हुआ – पीठ

(3) निहत – निहित = नष्ट – छिपा हुआ

(4) उत्पल – उपल = कमल – रत्न

(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. निम्न में से संकेतवाचक वाक्य की पहचान कीजिए :

(1) भारत एक महान देश है ।

(2) वह घर नहीं गया था ।

(3) यदि तुम आओगे तो मैं तुम्हारे साथ चल पड़ूँगा ।

(4) वह लिखता होगा, पर हमें क्या मालूम ?

(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. निम्नलिखित वाक्यों और वाक्य-भेदों को सुमेलित कीजिए :

(अ)	पिताजी के साथ संभवतः वह भी आए ।	(i)	आज्ञावाचक वाक्य
(ब)	आपको जन्मदिन पर हार्दिक बधाई ।	(ii)	इच्छावाचक वाक्य
(स)	पुस्तकालय में बातचीत मत करो ।	(iii)	संकेतवाचक वाक्य
(द)	अगर रुपए होते तो पुस्तकें खरीद लेता ।	(iv)	संदेहवाचक वाक्य

उत्तर विकल्प –

	(अ)	(ब)	(स)	(द)
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(2)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(4)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. इनमें से सरल वाक्य नहीं है :

(1) दिन का थका हुआ आदमी रात को खूब सोता है ।

(2) वहाँ जो कुछ देखने योग्य था, मैंने सब देख लिया ।

(3) धीरे-धीरे उजाला होने लगा ।

(4) जहाज का सबसे ऊपर का हिस्सा सबसे पहले दिखाई देता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK